International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 7.328
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol.11 No.1 Sept-Oct 2023

जनपद लखीमपुर खीरी में विभिन्न औद्योगिक इकाइयो का विष्लेषणात्मक अध्ययन

राज कुमार[1] प्रो. विनीत नारायण दूबे[2]
[1]शोध छात्र श्री मुरली मनोहर टाउन पी.जी. कॉलेज, बलिया, उत्तर प्रदेश
[2]शोध निर्देशक विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग
सम्बद्ध- जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया, उत्तरप्रदेश
Corresponding Author – राज कुमार
DOI- 10.5281/zenodo.10156240

प्रस्तावना

शाब्दिक अर्थ में उद्योग (एकनेजतल) किसी भी अवस्थित तथा क्रमबद्ध कार्य को कहते हैं। इसमें सभी तरह के आर्थिक कार्य सम्मिलित हो जाते हैं। इनके अन्तर्गत प्राथमिक आर्थिक कार्यों जैसे अति साधारण ढंग से मछली मारने शिकार करने, वन वस्तु संग्रह करने आदि से लेकर जटिल प्रक्रिया द्वारा वस्तु निर्माण एवं व्यापार आदि सभी कार्य सम्मिलित हैं। उद्योग के इन विविध पक्षों को चार वर्गों में बाँटा जाता है-

(१) निष्कर्षण उद्योग, (२) पुनरुत्पादक उद्योग, (३) वस्तुनिर्माण उद्योग, (४) सहायक उद्योग

ऐसे सभी आर्थिक कार्य जो पृथ्वी तल पर पाये जाने वाले पदार्थों या संसाधनों को मनुष्य की आवश्यकता की पूर्ति के लिये सीधे ग्रहण करने से सम्बन्धित है, उन्हें निष्कर्षण उद्योग कहते हैं। मछली पकड़ना, वन्य पशुओं का शिकार वन वस्तुओं का संग्रह, लकड़ी काटना, खनिज निकालना, ये सभी कार्य निष्कर्षण उद्योग हैं। पशु चारण तथा कृषि जैसे आर्थिक कार्य जिनसे पृथ्वी से सीधे तथा अन्तिम रूप में कोई पदार्थ ग्रहण नहीं कर लिया जाता, बल्कि मिट्टी संसाधन एवं प्राकृतिक तत्वों के सहयोग से वर्ष प्रति-वर्ष उपयोग किया जाता पुनरुत्पादक उद्योग हैं। इन दोनों उद्योगों से प्राप्त वस्तुओं का कच्ची सामग्री के रूप में उपयोग करके उनके रूप अथवा गुण-धर्म में परिवर्तन करके अधिक उपयोगी बनाने की प्रक्रिया को वस्तु निर्माण उद्योग कहते हैं। सभी माध्यमिक उत्पादन कार्य वस्तुतः विनिर्माण उद्योग हैं। तृतीयक तथा चतुर्थक कार्य सहायक उद्योग हैं। अतः यहाँ उद्योग का अर्थ वस्तु-निर्माण प्राथमिक उत्पादन से प्राप्त कच्ची सामग्री को शारीरिक अथवा यान्त्रिक शक्ति द्वारा परिचालित औजारों की सहायता से पूर्व निर्धारित एवं नियन्त्रित प्रक्रिया द्वारा किसी इच्छित रूप, आकार अथवा विशेष गुण-धर्म वाली वस्तु में परिणत करना है।

मुख्य शब्द- उद्योग, औद्योगीकरण, ग्रामोद्योग, लघु उद्योग

अध्ययन क्षेत्र

अध्ययन की दृष्टि से जनपद लखीमपुर खीरी एक पिछड़े एवं कम विकसित क्षेत्र के रूप में जाना जाता है।

मानचित्र क्रमांक-१ जनपद लखीमपुर खीरी की अवस्थिति

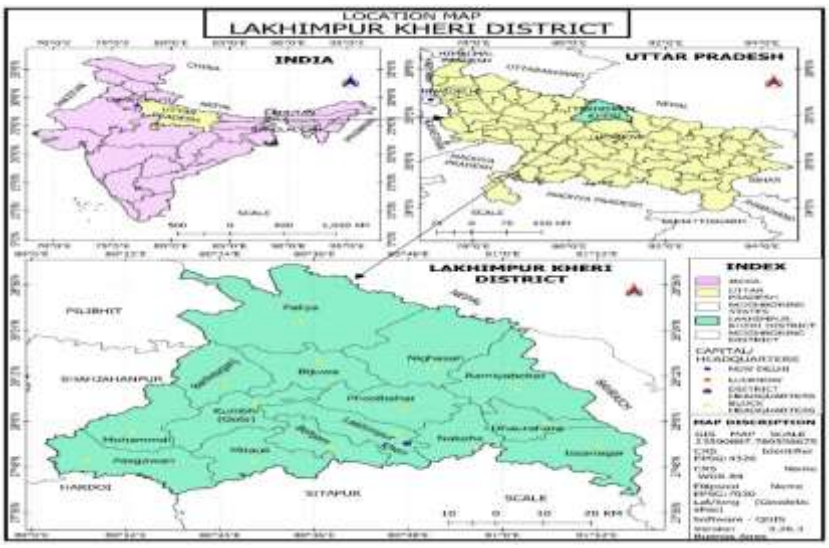

जनपद का कुल क्षेत्रफल ७६८० वर्ग किलोमीटर है जिसके पूर्व में बहराइच, पश्चिम में पीलीभीत और शाहजहांपुर, दक्षिण में हरदोई एवं सीतापुर तथा उत्तर में हिमालय पेटी के स्वायत्त देश नेपाल से जुड़ा हुआ है। जनपद का ढाल उत्तर पश्चिम से दक्षिण पूर्व दिशा में है तथा समुद्र तल से औसत ऊंचाई लगभग १५० मीटर है। जनपद लखीमपुर खीरी का अक्षांशीय विस्तार २७°४१श उत्तर से २८°४२′ उत्तर के मध्य तथा देशांतरीय विस्तार ८०°३१श पूर्व से ८१°३०श पूर्व के मध्य स्थित है।

विधि तंत्र

इस शोध पत्र का मुख्य उद्देश्य जनपद लखीमपुर खीरी में विभिन्न औद्योगिक इकाइयो का विष्लेषणात्मक अध्ययन करना है। जनपद में सरकारी- गैर सरकारी के प्रकाशित एवं अप्रकाशित सूचनाओ तथा आंकड़े मुख्य सूचना स्रोत होंगे। प्रस्तुत शोध पत्र में शोध विधि के अंतर्गत शोधार्थी द्वारा द्वितीयक आंकड़ों का प्रयोग किया गया है। आंकड़ों का विश्लेषण शोधार्थी ने डै म्बमस से किया है। जिन्हे सारणी एवं आरेख के माध्यम से शोधार्थी ने प्रस्तुत किया है। शोध पत्र में अध्ययन क्षेत्र का मानचित्र फळै एप्लीकेशन द्वारा निर्मित है।

उद्देश्यः

शोध अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्यों को ध्यान में रखकर पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा।

- जनपद में औद्योगिक इकाइयों का अध्ययन करना।
- जनपद में औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिक संख्या का विश्लेषण करना।
- अध्ययन क्षेत्र के औद्योगिक विकास हेतु सलाह एवं सुझाव।

पंजीकृत कारखाना

२०२२ में, लखीमपुर खीरी जिले में विभिन्न पंजीकृत कारखानों और श्रमिकों की संख्या वाले कई विकासखंड हैं। पलिया विकासखंड में ३५ कारखाने हैं जिनमें १,०८४ श्रमिक कार्यरत हैं। निघासन में ६८ कारखाने और उनमें १,५६९ श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हैं। रमिया बेहड़ में ४३१ श्रमिकों वाली १६ फैक्टरियाँ हैं। कुम्भीगोला में ४१ कारखाने और १,३५२ कर्मचारी। बिजुआ विकासखंड में १३ कारखाने हैं जिनमें २७० कर्मचारी कार्य करते हैं। बाकेगंज में ८ कारखाने और १३६ कर्मचारी, जबकि मोहम्मदी में ७ कारखाने और ७८ कर्मचारी हैं। मितौली विकासखंड में ९ कारखाना, जिनमें ६९ श्रमिकों को रोजगार मिला हैं। पसगवां में ४११ श्रमिकों के साथ ८ कारखाने हैं, और बेहजम में ९ कारखाने जिनमें ३६७ कर्मचारी कार्यरत हैं।

सारणी क्रमांक १ विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी मे पंजीकृत कारखाना एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति

विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी मे पंजीकृत कारखाना एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति		
विकासखण्ड	**कारखानों की संख्या**	**कार्यरत व्यक्ति**
पलिया	३५	१०८४
निघासन	६८	१५६९
रमिया बेहड़	१६	४३१
कुम्भिगोला	४१	१३५२
बिजुआ	१३	२७०
बाकेगंज	८	१३६
मोहम्मदी	७	७८
मितौली	९	६९
पसगवहं	८	४११
बेहजम	९	३६७
लखीमपुर	६८	११८७
फूलबेहड़	३६	९६९
नकहा	९	५७५
धोरहरा	३	४१०
ईसानगर	४	८४४
कुल	**३३४**	**९७५२**

Source- https://updes.up.nic.in/esd/index.htm

आरेख क्रमांक १ विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी मे पंजीकृत कारखाना एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति

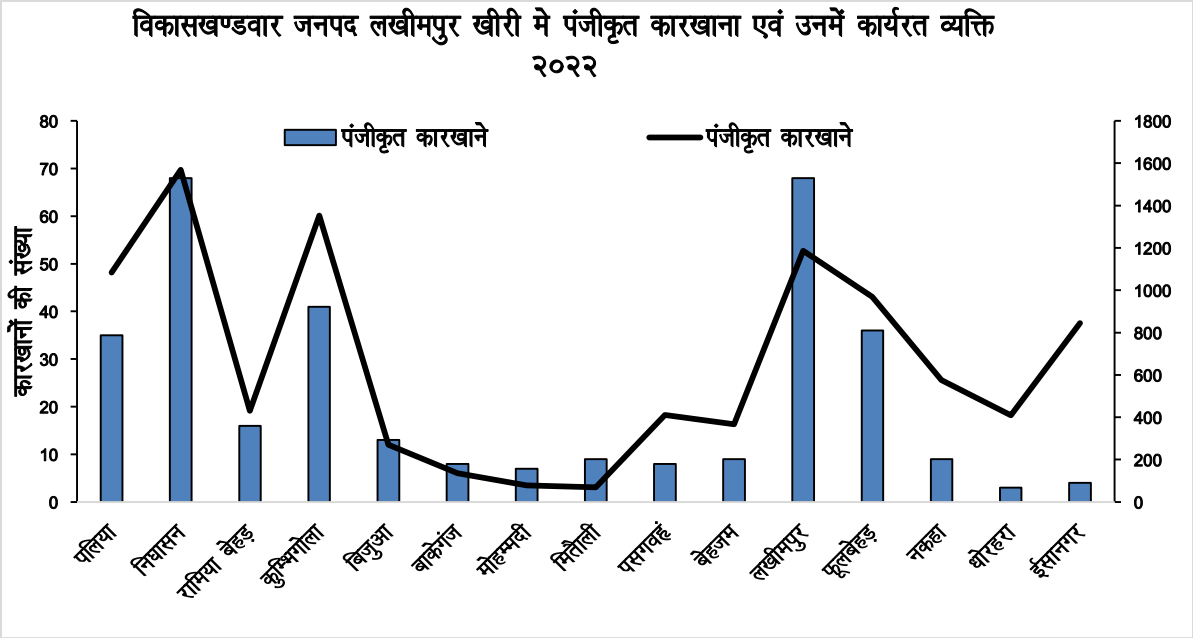

लखीमपुर में ६८ फैक्टरियो में १,१८७ कर्मचारी काम करते हैं और फूलबेहड़ में ३६ फैक्टरियो जिनमें ६६६ कर्मचारी काम करते हैं। नकहा विकासखण्ड में ६ फैक्टरी हैं जिसमें ५७५ श्रमिक हैं, जबकि धौरहरा में ३ कारखाना हैं इसमें ४१० श्रमिकों को रोजगार प्राप्त हैं। अंततः ईसानगर में ८४४ श्रमिकों वाली ४ फैक्टरियाँ हैं। कुल मिलाकर, लखीमपुर खीरी जिले के ३३४ कारखाने में कुल ६,७५२ श्रमिकों का संयुक्त कार्यबल कार्यरत हैं।

लघु औद्योगिक इकाई

वर्ष २०२२ में, लखीमपुर खीरी जिले का लघु-स्तरीय औद्योगिक परिदृश्य जीवंत और विविध हैं, जिसमें प्रत्येक विकासखंड कारखानों और श्रमिकों की अपनी उचित हिस्सेदारी का योगदान दे रहा हैं। विकासखंड पलिया में ३६५ लघु औद्योगिक इकाई हैं इनमें १,०७४ मेहनती व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्रदान किए जिन्होंने अपने कौशल और प्रयासों को स्थानीय अर्थव्यवस्था के विकास के लिए समर्पित किया। निघासन विकासखंड में संचालित होने वाली ८० फैक्ट्रियों में ६३० व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त है। रमिया बेहड़ ब्लहक, जिसमें ३४२ कारखाने हैं जो स्थानीय औद्योगिक परिदृश्य को आकार देने में सहायक हैं। इसमें ६८२ व्यक्तियों कार्यरत हैं। कुम्भीगोला के ४२१ फैक्ट्री में १,५६३ व्यक्ति कार्य करते हैं। बिजुआ ब्लहक में, २२३ कारखाने हैं, जिसमे ७३६ कार्यरत व्यक्ति हैं जो क्षेत्र की आर्थिक जीवन शक्ति में योगदान दे रहे हैं। बाकेगंज में ३१८ कारखानों में ५६० कर्मचारी हैं। मोहम्मदी में १७३ कारखाने में ५७२ व्यक्तियों को रोजगार मिला। मितौली ब्लहक में ७६ कारखाने हैं जिसमे २८६ व्यक्ति कार्यरत हैं। पसगवां के १४८ कारखानों ने २६७ व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया। बेहजम के १६५ फैक्ट्रियों में ५२८ व्यक्तियों महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लखीमपुर खीरी जिले में औद्योगिक विकास का मुकुटमणि विकासखंड लखीमपुर खीरी ही हैं। चौंका देने वाली १,१६० फैक्टरियों के साथ, इसने स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाई। इन कारखानों ने १,८६६ व्यक्तियों के प्रभावशाली कार्यबल को रोजगार प्रदान किया, जो औद्योगिक परिदृश्य में ब्लहक की विशाल क्षमता और महत्व को उजागर करता है।

फूलबेहड़, नकहा, धौरहरा और ईसानगर, प्रत्येक ने अपने-अपने कारखानों और कार्यबल के साथ, जिले के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान दिया। अन्य ब्लहकों के साथ, इन ब्लहकों में सामूहिक रूप से कुल ४,६८६ कारखाने और ११,८१७ व्यक्तियों का समर्पित कार्यबल शामिल हैं। संक्षेप में, २०२२ में लखीमपुर खीरी जिले की लघु औद्योगिक इकाइयों ने जिले के जीवंत आर्थिक ताने-बाने का प्रदर्शन किया। प्रत्येक विकासखंड अपने अनूठे औद्योगिक परिदृश्य को प्रदर्शित करने के साथ, विभिन्न गतिविधियों से गुलजार रहे, जबकि मेहनती व्यक्तियों ने क्षेत्र के विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए अपने कौशल और समर्पण का योगदान दिया।

सारणी क्रमांक २ विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी में लघु औद्योगिक इकाइयहं एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति २०२२

विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी में लघु औद्योगिक इकाइयहं एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति २०२२		
विकासखण्ड	**इकाइयो की संख्या**	**कार्यरत व्यक्ति**
पलिया	३६५	१०७४
निघासन	८०	६३०
रमिया बेहड़	३४२	६८२
कुम्भिगोला	४२१	१५६३
बिजुआ	२२३	७३६
बाकेगंज	३१८	५६०
मोहम्मदी	१७३	५७२
मितौली	७६	२८६
पसगवहं	१४८	२६७
बेहजम	१६५	५२८
लखीमपुर	११६०	१८६६
फूलबेहड़	४०३	७६८
नकहा	२०४	५४५
धोरहरा	२६६	५१५
ईसानगर	२५५	५०५
कुल	**४६८६**	**११८१७**

Source- https://updes.up.nic.in/esd/index.htm

आरेख क्रमांक २ विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी में लघु औद्योगिक इकाइयहं एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति २०२२

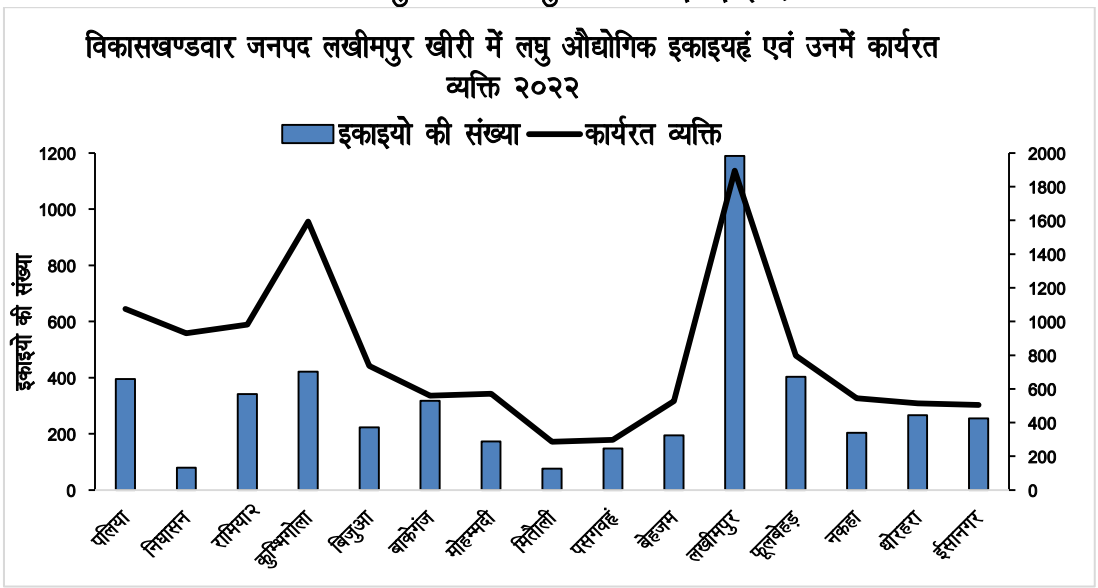

खादी ग्रामोद्योग

लखीमपुर खीरी जिले के पलिया विकासखंड में खादी ग्रामोद्योग की ११४ इकाई में १,८१६ श्रमिक कार्यरत हैं, जिन्होंने खादी उत्पादों के उत्पादन और प्रचार में अपने कौशल और विशेषज्ञता का योगदान दिया। निघासन ने खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। इस ब्लहक में १८६ कारखाने हैं जो पारंपरिक शिल्प को पुनर्जीवित करने और बढ़ावा देने में सहायक हैं, इन कारखानों ने १,६६४ व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया। रमिया बेहड़ विकासखंड १०४ कारखानों में ५०४ श्रमिक कार्यरत हैं। कुम्भीगोला विकासखंड में १०३ इकाई में १,२०४ व्यक्तियों ने खादी उत्पादों के उत्पादन और प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बिजुआ ब्लहक में १०५ खादी ग्रामोद्योग इकाइयों में २५६ व्यक्तियों को रोजगार के अवसर प्राप्त हैं। ६७ कारखानों वाले बाकेगंज विकासखंड ने आर्थिक सशक्तिकरण के साधन के रूप में खादी ग्रामोद्योग को अपनाया। इन कारखानों ने ५८२ व्यक्तियों को आजीविका के अवसर प्रदान किए। मोहम्मदी विकासखंड में १०८ खादी ग्रामोद्योग इकाई में २०१ व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया। मितौली के ६२ खादी ग्रामोद्योग कारखानों ने ४७६ व्यक्तियों को रोजगार प्रदान किया। पसगवां के ७३ कारखानों में ८०६

व्यक्तियों को रोजगार के अवसर मिले हैं। १४१ कारखानों के साथ बेहजम ने खादी ग्रामोद्योग गतिविधियों के लिए एक संपन्न केंद्र के रूप में कार्य किया इस ब्लहक में ६५७ व्यक्तियों को रोजगार मिला हैं। ३६६ खादी ग्रामोद्योग वाला लखीमपुर ब्लहक इस क्षेत्र के लिए एक प्रमुख केंद्र के रूप में उभरा। इन कारखानों ने २,२५३ व्यक्तियों के महत्वपूर्ण कार्यबल को रोजगार प्रदान किया, जो ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने और पारंपरिक शिल्प को पुनर्जीवित करने के लिए ब्लहक के समर्पण को रेखांकित करता है।

फूलबेहड़, नकहा, धौरहरा और ईसानगर सहित अन्य ब्लहकों ने सामूहिक रूप से लखीमपुर खीरी जिले में खादी ग्रामोद्योग पारिस्थितिकी तंत्र में योगदान दिया। इन ब्लहकों में संबंधित कारखानों और कार्यबल के साथ, कुल १,८१८ खादी ग्रामोद्योग इकाइयां और १४,३२१ व्यक्तियों का एक समर्पित कार्यबल शामिल हो गया। संक्षेप में, २०२२ में लखीमपुर खीरी जिले में खादी ग्रामोद्योग इकाइयां इस क्षेत्र में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले विभिन्न विकास खंडों के साथ फली-फूलीं। पारंपरिक शिल्प को संरक्षित करने, रोजगार के अवसर पैदा करने और टिकाऊ ग्रामीण उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए ब्लहक की प्रतिबद्धता पर्याप्त संख्या में खादी ग्रामोद्योग क्षेत्र के लिए समर्पित मेहनती कार्यबल के माध्यम से स्पष्ट हैं।

सारणी क्रमांक ३ **विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी में खादी ग्रामोद्योग इकाइयहं एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति २०२२**

विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी में खादी ग्रामोद्योग इकाइयहं एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति २०२२		
विकासखण्ड	**इकाइयो की संख्या**	**कार्यरत व्यक्ति**
पलिया	११४	१८१६
निघासन	१८६	१६६४
रमिया बेहड़	१०४	५०४
कुम्भिगोला	१०३	१२०४
बिजुआ	१०५	२५६
बाकेगंज	६७	५८२
मोहम्मदी	१०८	२०१
मितौली	६२	४७६
पसगवहं	७३	८०६
बेहजम	१४१	६५७
लखीमपुर	३६६	२२५३
फूलबेहड़	४६	६५३
नकहा	११२	७३१
धोरहरा	६६	५६०
ईसानगर	६३	१३४६
कुल	**१८१८**	**१४३२१**

Source- https://updes.up.nic.in/esd/index.htm

आरेख क्रमांक ३ **विकासखण्डवार जनपद लखीमपुर खीरी में खादी ग्रामोद्योग इकाइयहं एवं उनमें कार्यरत व्यक्ति २०२२**

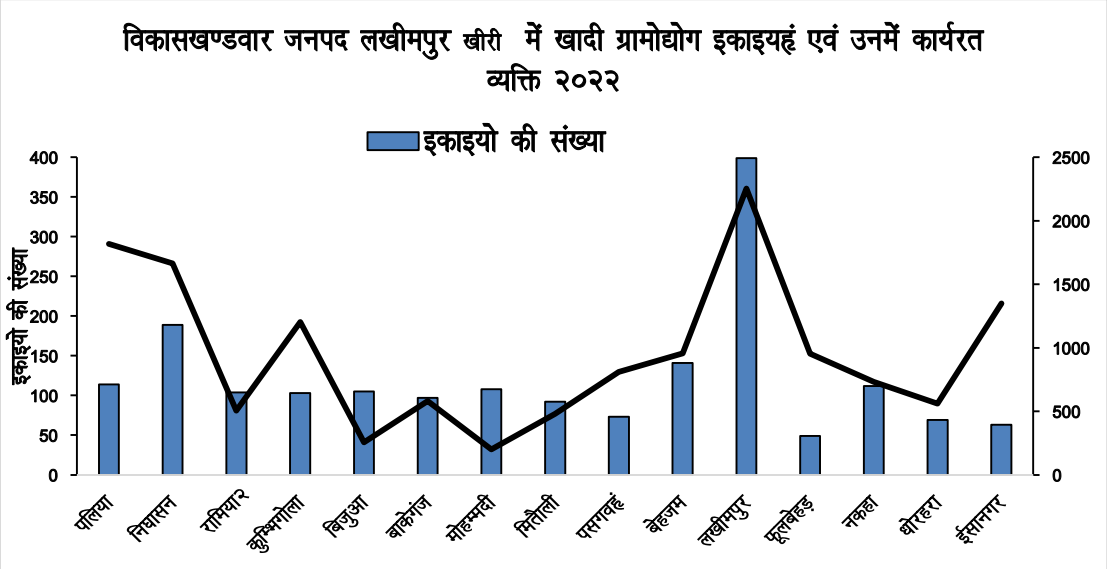

सुझाव एवं सलाह

शोध पत्र के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि लखीमपुर खीरी जनपद में औद्योगीकरण एवं औद्योगिक विकास की संभावना एवं आवश्यकता अभी बहुत ज्यादा हैं यहां कृषि आधारित उद्योग, खादी ग्रामोद्योग एवं लघु उद्योग को विशेष तौर पर विकसित किया जाना चाहिए। जिससे अध्ययन क्षेत्र के युवाओं को रोजगार मिल सके और किसानों को उचित मूल्य प्राप्त हो सके, इससे जनपद के

लोगों का आर्थिक विकास भी किया जा सकेगा। राज्य सरकार द्वारा वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट ;व्क्व्द्ध के तहत इस जनपद में जनजातीय शिल्प, लखीमपुर खीरी में चीनी उद्योग स्थानीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, हजारों लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान करता है और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देता है। लखीमपुर खीरी जिले में चीनी मिलों को वर्तमान में बढ़ावा दिया जा रहा है, साथ ही विभिन्न सरकारी योजनाओं द्वारा जनपद के औद्योगिक विकास पर ध्यान दिया जा रहा है, जिससे निकट भविष्य में औद्योगिक विकास अध्ययन क्षेत्र में अवश्य देखने को मिलेगा।

संदर्भ ग्रंथः

1. Uttar Pradesh Disst. Gazetters, Lakhimpur Khiri
2. Singh Ujagir (1979) Indian economic and regional geography utter Pradesh Hindi Sansthan Lucknow.
3. Tiwari R.C. and Singh, B.N. 1994 agriculture geography, prayag pustak bhavan Allahabad.
4. Kothari C R and Garg Gaurav 2019 Research Methodology Methods and Techniques, New Age International Publicshers, Delhi.
5. www.pib.gov.in
6. http://updes.up.nic.in
7. Amin, Ash, and Nigel Thrift, eds. 1994. Globalization, Institutions, and Regional Development in Europe. Oxford: Oxford University Press.
8. Richardson wbieg0444.tex V1 - 03/23/2016 12:52 A.M. Page 12 INDUSTRIAL GEOGRAPHY Barnes, T.J. 2009. “Economic Geography.” In International Encyclopedia of Human Geography, edited by R. Kitchin and N. Thrift, 315–327. Oxford:
9. Elsevier. Bathelt, Harald. 2005. “Geographies of Production: Growth Regimes in Spatial Perspective (II) – Knowledge Creation and Growth in Clusters.” Progress In Human Geography, 29(2): 204–216.
10. Breandán Ó. 1992. “Industrial Geography.” Progress In Human Geography, 16(4): 545–552.
11. MacKinnon, Danny. 2012. “Beyond Strategic Coupling: Reassessing the Firm-Region Nexus in Global Production Networks.” Journal of Economic Geography, 12(1): 227–245.
12. Schoenberger, Erica. 1997. The Cultural Crisis of the Firm. Oxford: Blackwell. Yeung, Henry Wai-chung. 2000. “Organizing ‘the Firm’ in Industrial Geography I: Networks, Institutions and Regional Development.” Progress In Human Geography, 24(2): 301–315.
13. Yeung, Henry Wai-chung. 2002. “Industrial Geography: Industrial Restructuring and Labour Markets.” Progress In Human Geography, 26(3): 367–379.
14. सिंह प्रो.जगदिष एवं सिंह प्रो. काषीनाथ २०१७ आर्थिक भूगोल के मूल तत्व ज्ञानोदय प्रकाषन, गोरखपुर।
15. जिला सांख्यिकी पुस्तिका २०२२।
16. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द, लखीमपुर खीरी।
17. जिला खादी एवं ग्रामोद्योग अधिकारी, लखीमपुर खीरी ।